Nuclear Power Plants, i.e. site selection, design, construction and operation of the Station. Clearance from environmental angle from the Ministry of Environment & Forests is obtained prior to setting up of the plants.

गुरुजल की पूर्ति और मांग

2102. श्री राम जेठमलानी :
श्री राम नरेश यादव :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में गुरुजल की पूर्ति और मांग में बहुत अन्तर है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1988–89 के दौरान गुरुजल की अनुमानित मांग और पूर्ति कितनी होगी ; और

(ग) इस संबंध में देश की मांग को पूरा करने के लिये सरकार द्वारा क्या उपाय किये जा रहे है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के आर नारायणन): (क) भारी पानी संयंत्रों मे उत्पादित भारी पानी देश की वर्तमान आवश्यकता को पूरा करने के लिये पर्याप्त है। केवल राजस्थान परमाणु बिजलीघर के लिये आवश्यक भारी पानी आवश्यकता पड़ने पर सोवियत संघ से मंगाया जाता है।

(ख) चूंकि भारी पानी एक अत्यन्त महत्वपूर्ण पदार्थ है, अतः इसकी अनुमानित मांग और सप्लाई की जाने वाली मात्रा के बारे में बताना राष्ट्र हित में नही है।

(ग) इस समय चालू भारी पानी संयंत्रों के अतिरिक्त, दो और भारी पानी परियोजनायें निर्माणाधीन हैं एक मानुगुरु (आंध्र प्रदेश) में और दूसरी हजीरा (गुजरात) में। भविष्य में होने वाली भारी पानी की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से और परियोजनायें स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है।

देश में गुरुजल संयंत्र

2103. श्री राम जेठमलानी :
श्री राम नरेश यादव :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कितने गुरुजल संयंत्र कार्य कर रहे हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि ये संयंत्र अपनी स्थापित क्षमता के अनुरूप गुरुजल का उत्पादन नहीं कर रहे हैं, और

(ग) यदि हां, तो ऐसे प्रत्येक संयंत्र की उत्पादन क्षमता कितनी है और देश में उनमें से प्रत्येक संयंत्र में वास्तव में कितना वार्षिक उत्पादन हो रहा है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के० आर नारायणन) : (क) इस समय देश में 6 भारी पानी संयंत्र काम कर रहे हैं।

(ख) यदि निवेशों की दृष्टि से देखा जाय तो संयंत्रों का उत्पादन-स्तर संतोषजनक रहा है।

(ग) जो संयंत्र इस समय चालू हैं उनकी वार्षिक क्षमता कुल मिलाकर 365 मीटरिक टन है। 295 मीटरिक टन वार्षिक क्षमता वाली दो और परियोजनयें निर्माणाधीन हैं चूंकि भारी पानी एक अत्यन्त महत्वपूर्ण पदार्थ है, अतः इसके उत्पादन संबंधी आंकड़े बताना राष्ट्र हित में नहीं है।